कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और हरीश मीणा ने सदन में गहलोत सरकार को घेरा

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बिजली-पानी, चिकित्सा, शिक्षा और भ्रष्टाचार का मुद्दा छाया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और हरीश मीणा ने सोमवार को विधानसभा में गहलोत सरकार को जमकर घेरा। राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद के दौरान बिजली, पानी, चिकित्सा, शिक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर इन विधायकों ने अपनी ही पार्टी के मंत्रियों को खरी-खरी सुनाई। हरीश मीणा ने जहां भ्रष्टाचार में जीरो टोलरेंस नीति पर सवाल उठाया तो सुरेश मोदी ने बिजली आपूर्ति में गड़बड़ी, भ्रष्टाचार और चिरंजीवी योजना की खामियां गिनाते हुए कांग्रेस सरकार को घेरा।

हरीश मीणा ने आरोप लगाया कि राजस्थान में अफसरशाही हावी है, मुख्यमंत्री-मंत्री राजस्थान में अनिवार्य एफ.आई.आर. के नाम पर वाहवाही बटोरते हैं, लेकिन मुझे एक एफआईआर दर्ज कराने के लिए 10 दिन तक धरना देना पड़ा था।

- **राजस्थान में अनिवार्य एफ.आई.आर. के नाम पर मुख्यमंत्री और मंत्री वाहवाही बटोरते हैं, लेकिन मुझे एक एफआईआर दर्ज कराने के लिए 10 दिन तक धरना देना पड़ा था : हरीश मीणा**
- **सरकार कहती है कि प्रदेश में बिजली सरप्लस है, तो फिर किसानों को बिजली दी क्यों नहीं जाती : सुरेश मोदी**

इसके बाद नीमकाथाना के कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी ने प्रदेश में बदहाल बिजली आपूर्ति का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री के सरप्लस बिजली के दावों पर सवालिया निशान लगाया। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री और मंत्री कहते हैं कि प्रदेश में बिजली उत्पादन सरप्लस है तो फिर किसानों को बिजली क्यों नहीं दी जा रही, आखिर बिजली जा कहां रही है। या तो बिजली नहीं हैं या फिर सप्लाई तंत्र में गड़बड़ी है।

सुरेश मोदी ने कहा कि किसानों को बिजली नहीं मिलने से फसलें जल रही हैं। किसानों को कम से कम 6 घंटे बिजली तो देनी ही चाहिए। बिजली सप्लाई की व्यवस्था को फसल पकने तक अच्छी करें। पहले 22 घंटे टू फेस बिजली मिलती थी, अब शाम 6 से रात 10 बजे तक बिजली काट देते है। जब बिजली की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, उस वक्त बिजली काटना बहुत गलत है, इससे सबको दिक्कत होती है।

मोदी ने कहा कि मेरे यहां 33 केवी के दो ग्रिड सब स्टेशन के लिए पिछले 4 साल से लगातार प्रयास कर रहा हूं। मंजूरी भी मिल गई, लेकिन फाइल पता नहीं कहां अटकी है, इसके आदेश कहां दबे पड़े हैं। मेरे क्षेत्र के अलावा कई जगह 33 केवी के सब स्टेशन बन गए। एक जगह तो फीडर से दूरी 48 किलोमीटर की है, जबकि नियमानुसार 9 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी नहीं होनी चाहिए।

इसके बाद सुरेश मोदी ने चिरंजीवी योजना में खामियां गिनाते हुए सुधार की मांग रखी। उन्होंने चिरंजीवी योजना में कई स्तर की खामियां हैं, जिन्हें सुधारना जरूरी है। कई निजी अस्पतालों में आप चिरंजीवी में इलाज करवाने जाते हैं तो जूनियर डॉक्टर इलाज करता है। गैर चिरंजीवी में है तो सीनियर डॉक्टर इलाज करता है। भाजपा विधायक जोगेश्वर गर्ग ने भी चिरंजीवी योजना में प्रवासी राजस्थानियों के इलाज नहीं होने का मुद्दा उठाया। गर्ग ने कहा कि कांग्रेस को प्रधानमंत्री मोदी के नाम से ही तकलीफ है, आयुष्मान भारत स्कीम राजस्थान में लागू की नहीं, भाजपा सरकार की भामाशाह योजना से इनको तकलीफ है। इसलिए चिरंजीवी योजना तो लाए, लेकिन इसमें प्रवासी राजस्थानियों के इलाज की कोई व्यवस्था नहीं की। बहस में खींवसर विधायक नारायण बेनीवाल ने किसानों का ऋण माफ करने की घोषणा को अमली जामा पहनाने की बात कही। उन्होंने महाराणा प्रताप से लेकर दुर्गादास, मीरा, पन्नाधाय, नानी बाई, अमृता देवी का जिक्र तो कर दिया लेकिन इनको आपकी सरकारें कभी तो स्कूलो के कोर्स में शामिल करती है तो कभी हटा देती हैं। उन्होंने इन आदर्शो के आराधना स्थल पर पैनोरमाओ का निर्माण कराने की मांग की। बेनीवाल ने कहा कि मारवाड़ी के नाम से प्रसिद्ध राजस्थानियों व राजस्थान दिवस का गुणगान तो आपने कर दिया लेकिन इन मारवाड़ियों की अपनी जुबान राजस्थानी भाषा को मान्यता देने की कोई बात नही की। चर्चा में मदन दिलावर, नारायण बेनीवाल, चन्द्र भान आक्या, बलजीत यादव, सुरेश टाक, जोराराम कुमावत, पदमा राम मेघवाल समेत कई विधायकों ने हिस्सा लिया।

क्रिप्टो करेंसी से 40 लाख रुपये ठगने वाला गिरफ्तार

आरोपी दीपेश राठौड़ (बीच में)

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने क्रिप्टो करेंसी खरीदने व बेचने के नाम पर 40 लाख रूपए की ठगी करने वाले शातिर ठग दीपेश कुमार राठौड़ (35) निवासी प्रतापगढ़ हाल रतलाम (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया है। आरोपी दीपेश राठौड़ क्रिप्टो करेंसी की ट्रेडिंग करने वाले व्यक्तियों से वर्चुअल मोबाइल नम्बर से सम्पर्क कर खरीदने व बेचने का सौदा करता है। इसके बाद क्रिप्टो करेंसी अपने वॉलेट में स्थानांतरित करवाकर मोबाइल बंद कर लेता है।

डीसीपी (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि गत 14 अप्रेल 2022 को परिवादी अहमदाबाद निवासी राहुल मंगरानी ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि 12 अप्रेल 2022 को किसी व्यक्ति ने विदेशी मोबाइल नम्बर से वाट्सएप कॉल कर क्रिप्टो करेंसी क्रय करने का झांसा देकर करीब 40 लाख रुपए अपने वॉलेट में ट्रांसफर करवा लिए तथा भुगतान बिना किए ही अपने मोबाइल नम्बर बंद कर लिए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर थानाधिकारी राण सिंह के नेतृत्व में एएसआई विजय सिंह की टीम गठित की गई। यह टीम ने 25 जनवरी को मध्यप्रदेश के रतलाम पहुंची। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर 28 जनवरी को दीपेश कुमार राठौड़ को रतलाम से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी दीपेश राठौड़ क्रिप्टो करेंसी की ट्रेडिंग करने वाले व्यक्तियों से वर्चुवल मोबाइल नम्बर से सम्पर्क कर खरीदने और बेचने का सौदा करता है। तथा खरीदने वाले को कीमत से अधिक और बेचने वाले को कीमत से कम रुपए बताकर सौदा तय कर लेता है। तथा क्रिप्टो करेंसी अपने वालेट में स्थानान्तरित करवाकर वर्चुवल मोबाइल नंबर को बंद कर लेता हैं।

संक्षिप्त

20 ग्राम स्मैक समेत दो सप्लायर पकड़े

जयपुर। कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने खोह नागोरियान इलाके में कार्रवाई करते हुए 20 ग्राम स्मैक जब्त कर दो सप्लायरों को पकड़ा है, जिनमें एक बालअपचारी शामिल है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल एक लूना मोपेड भी जब्त की है। डीसीपी (क्राइम) परिस देशमुख ने बताया आरोपित पवन मौर्य (19) निवासी नागतलाई कच्ची बस्ती, गलता गेट को गिरफ्तार कर इसके साथी बालअपचारी को निरुद्ध किया गया है। दोनों के कब्जे से 20 ग्राम स्मैक सहित तस्करी में प्रयुक्त लूना बरामद की गई है। सप्लायरों ने यह स्मैक रहीम नगर, खोह नागोरियान निवासी इरशाद उर्फ हर्षी से 2600 रूपए प्रति ग्राम के हिसाब से खरीदकर 5200 रूपए प्रतिग्राम के हिसाब से बेचना कबूल किया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर। मालपुरा गेट इलाके में एक महिला से देहशोषण का मामला सामने आया है। थानाधिकारी सतीश चंद चौधरी ने बताया मूलतया जिला टोंक हाल इलाके निवासी महिला ने रिपोर्ट दी है। आरोप है किशोर उर्फ़ गिर्राज शादी का झांसा देकर पिछले 15 वर्षों से देहशोषण करता आ रहा है और उसकी सारी कमाई भी हड़प कर चुका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं गलता गेट थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया गिरफ्तार आरोपित सिराजुद्दीन (58) वन विहार कॉलोनी, गलता गेट के रहने वाला है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

बदमाशों ने युवती का मोबाइल छीना

जयपुर। मालवीय नगर इलाके में बाइक सवार बदमाश एक युवती का मोबाइल छीन ले गए। पुलिस ने बताया 12/394, मालवीय नगर निवासी वर्षा ठक्कर 29 जनवरी को इलाके स्थित रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास से जा रही थी।

पेपरलीक के मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण के मकान की नीलामी की तैयारी शुरू

जे.डी.ए. ने मकान तोड़ने का 19.11 लाख रु. खर्च 7 दिन में मांगा

रजनी विहार में भूपेंद्र सारण का ध्वस्त मकान।

जयपुर (का.सं.)। शिक्षक भर्ती पेपर लीक के मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण और उसके भाई गोपाल सारण को नोटिस जारी कर जेडीए प्रशासन ने 19.11 लाख रुपये मांगे है। जेडीए के प्रवर्तन अधिकारी ने नोटिस में चेतावनी दी है कि अगर मकान के तोड़फोड़ में जेडीए द्वारा खर्च की गई 19.11 लाख रुपये की रकम 7 दिन का नहीं चुकाई गई तो जेडीए प्रशासन इस प्लॉट की कुर्की कर नीलामी के जरिये यह राशि वसूलेगा।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि पेपरलीक गिरोह के मास्टरमाइंड भूपेन्द्र सारण और उसके भाई गोपाल सारण के रजनी विहार स्थित प्लॉट 67-सी में तोड़फोड़ की गई थी। इसमें जेडीए के संसाधन, अधिकारी-कर्मचारी, लेबर, स्थानीय पुलिस और मशीनों का बेड़ा लगाया गया था। मकान के ध्वस्तीकरण में करीब 19.11 लाख रुपये के खर्च का अनुमान है। यह रकम चुकाने के लिए पिछले दिनों भूपेन्द्र सारण और उसके भाई गोपाल सारण को नोटिस जारी किया था। सोमवार को पुनः नोटिस जारी कर 7 दिन का वक्त दिया गया है। अगर यह रकम जेडीए कोष में जमा नहीं करवाई जाती है तो उनके भूखंड की कुर्की करके जेडीए प्रशासन नीलाम करेगा और अपनी रकम वसूलेगा।

सांसद किरोड़ी के धरने को लेकर सदन में हंगामा मचा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। पेपरलीक प्रकरण में बीते 7 दिन से जयपुर में धरने पर बैठे राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल की चर्चा भी विधानसभा में गूंजी। भाजपा विधायकों ने यह मुद्दा सदन में उठाते हुए कांग्रेस सरकार को घेरा।

दरअसल जब राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस चल रही थी, तब भाजपा विधायक अशोक लाहोटी ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सांसद किरोडी लाल मीणा पेपरलीक मामले को लेकर युवाओं की परेशानी पर संवेदनशीलता दिखाते हुए पिछले 6-7 दिन से धरने पर बैठे हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार की कान पर जूं भी नहीं रैंग रही है। लाहोटी ने कहा कि सत्तापक्ष और विपक्ष के सदस्य उनके समर्थन में उनके साथ धरने पर जा रहे हैं। राज्य सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए प्राथमिकता से इस मामले को लेना चाहिए। भाजपा के अन्य सदस्यों ने भी उनके सुर में सुर मिलाए और अपने स्थान पर खड़े होकर सरकार के

- **सीबीआई जांच की मांग करते हुए भाजपा विधायक वैल में उतरे**
- **सभापति राजेन्द्र पारीक की समझाइश पर विपक्ष नहीं माना तो स्पीकर डॉ. सी.पी.जोशी ने मामला शांत कराया**

खिलाफ तथा पेपरलीक की सीबीआई जांच की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए वैल में आ गए।

इससे सदन में हंगामा छा गया। सभापति राजेन्द्र पारीक की काफी समझाइश के बाद भी जब विधायक नहीं माने तो विधानसभाध्यक्ष डॉ. सी.पी.जोशी आसन पर आए। उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों को चेतावनी देते हुए अपने स्थान पर भेजा तब जाकर करीब 10 मिनिट में सदन में शांति का वातावरण बना।

सार-समाचार

पुलिस ने 20 लाख रु.के 104 फोन ढूंढे

माणक चौक पुलिस ने ढूंढे हुए मोबाइल उनके असली मालिकों को सुपुर्द किए।

जयपुर (कासं)। माणक चौक थाना पुलिस ने अभियान चलाकर एक माह में गुम हुए 20 लाख रूपए से ज्यादा की कीमत के 104 एंड्रॉयड मोबाइल राजस्थान में अलग अलग स्थानों से बरामद कर असल मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किए है। डीसीपी (नॉर्थ) परिस देशमुख ने बताया वर्ष 2022 एवं इससे पूर्व के वर्षों के गुम हुए मोबाइलों की सूची तैयार कर तकनीकी आधार एवं सभी दूरसंचार प्रदाता कंपनियों से समन्वय कर जयपुर एवं सम्पूर्ण राजस्थान में विभिन्न स्थानों पर चल रहे 104 से अधिक मोबाइलों को बरामद किया गया, जिनकी बाजार कीमत लगभग 20 लाख रूपए है। इन मोबाइल को सोमवार को माणक चौक थाना परिसर में असल मालिकों को लौटा दिया गया है।

ऑनलाइन गैंबलिंग करने वाले 4 पकड़े

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा थाना पुलिस ने ऑनलाइन गैंबलिंग के जरिए ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है।डीसीपी (वेस्ट) वंदिता राणा ने बताया फतेहपुर सदर जिला सीकर निवासी फूलचंद (29), गैलासर मकराना निवासी भवानी सिंह (27), गरिण्डा फतेहपुर निवासी आकाश (24) और हिसार हरियाणा हाल चौमू निवासी जतिन चौहान (29)को सीकर रोड स्थित गुरूशिखर शेखावाटी बिल्डिंग में स्थित फ्लैट नम्बर 404 से गिरफ्तार किया गया है।थानाधिकारी हरिपाल सिंह ने बताया आरोपी गूगल पर स्प्रिंटर ऑनलाइन डॉट इन नामक लिंक से लोगों को ऑनलाइन जोड़ वाट्सअप से लॉगिन करवाते है। गिरोह द्वारा लोगों को ऑनलाइन आईडी और पासवर्ड मास्टर आई डी टैब से क्लाइंट की आई डी टाइगर एक्सचेंद, स्प्रिटंर्स 777, स्प्रिंटर 999, स्प्रिंटर बीआईटी बनाते है। आईडी बनाने के बाद कस्टमर ऑनलाइन ही पेमेन्ट 100 रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक ट्रांजेक्शन करते है। लोगों को ज्यादा पैसे कमाने का झांसा देकर लोगों से छलपूर्वक रुपए खातों में डलवा लेते है। उसके बाद स्वयं के और अन्य के खातों में ट्रांसफर कर देते हैं।

मेडिकल शॉप में घुसकर मारपीट

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर इलाके में कार सवार बदमाशों ने मेडिकल शॉप में घुसकर सेल्समैन से मारपीट की। थार जीप में सवार होकर आए बदमाशों ने डंडे और लोहे के स्टूल से कर्मचारियों को पीटा। एक सेल्समैन का सिर फोड़कर हमलावर फरार हो गए। मेडिकल शॉप में लगे सीसीटीवी फुटेज में बदमाशों की करतूत कैद हो गई। पुलिस ने बताया कि बीलवा शिवदासपुरा निवासी हनुमान शर्मा (28) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि कुम्भा मार्ग प्रताप नगर स्थित अपोलो फार्मेसी पर वह सेल्समैन है। शनिवार को वह मेडिकल शॉप पर अपने तीन-चार साथियों के साथ ड्यूटी पर था। रात करीब 10:45 बजे दो लड़के शॉप पर नींद की दवाई मांगने आए। दवाई नहीं होने की कहने पर कर्मचारियां से गाली-गालौच करने लगे। जिसके बाद वह वहां से चले गए। करीब 10 मिनट बाद ही दोनों बदमाश अपने 4-5 साथियों के साथ थार जीप से वापस आ गए और हमला कर दिया।

डॉ.भुवनेश जैन ने कार्यभार संभाला

जयपुर। नेहरू युवा केंद्र संगठन के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मुख्यालय के निदेशक डॉ. भुवनेश जैन ने आज जयपुर में पश्चिम क्षेत्र के पांच राज्यों के क्षेत्रीय निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार संभाल लिया। भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन के महानिदेशक नीतेश कुमार मिश्रा ने डॉ. जैन को क्षेत्रीय निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार के आदेश जारी किये थे। देश में नेहरू युवा केंद्र के 6 क्षेत्रीय निदेशालय कार्यरत हैं। जयपुर में क्षेत्रीय निदेशालय वर्ष 2021 में बना था। इस निदेशालय में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छतीसगढ़, गोवा राज्य में कार्यरत नेहरू युवा केंद्र संगठन के राज्य-जिला कार्यालय शामिल है।

मजबूरी का नाम राजस्थान का गांधी : पारख

भाजपा विधायक ने सदन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। भाजपा विधायक ज्ञानचंद पारख विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर जमकर तंज कसे।

पारख ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए कहा कि ''राजस्थान का मुख्यमंत्री आज मजबूर है। अब तो कहावत बन गई कि मजूबरी का नाम राजस्थान का गांधी है। राजस्थान के मुख्यमंत्री को हमने इतना मजबूर कभी नहीं देखा। एक तो कोरोना और एक आपकी पार्टी का कोरोना, आपकी सांसें निकाल रहा है। ऐसे में प्रदेश को संभालना मुश्किल हो गया। हमने देश-प्रदेश की मजबूत कांग्रेस देखी है। कांग्रेस जो पाकिस्तान के दो टुकड़े करवाने का दंभ भरती है। वह आज देश के टुकड़े करने वाली टुकड़े-टुकड़े गैंग की गिरफ्त में है। राहुल गांधी की यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से ज्यादा टुकड़े-टुकड़े गैंग के लोग थे।''

- **''मुख्यमंत्री गहलोत ने शिक्षकों के सम्मेलन में पूछा था क्या ट्रांसफर के लिए पैसा देना पड़ता है? इस पर सभी शिक्षकों ने चिल्लाकर कहा कि देना पड़ता है।''**

पारख ने कहा कि तबादला-पोस्टिंग में भारी करप्शन है। मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों शिक्षकों के सम्मेलन में पूछा था कि क्या ट्रांसफर के लिए पैसा देना पड़ता है? इस पर सभी शिक्षकों ने चिल्लाकर कहा कि देना पड़ता है। क्या मजबूरी है मुख्यमंत्री की, जब मुख्यमंत्री के सामने शिक्षक कह रहे हैं कि ट्रांसफर-पोस्टिंग में पैसा देना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि हमने 1985 में उस कांग्रेस को देखा है, जिसने दागी नेता चाहे कितना बड़ा हो, उसका टिकट काट दिया था। आज उनके चंगुल में फंस रहे हो। कोई भी रिश्वत में पकड़ा जाता है तो कहता है कि ऊपर तक पैसा देना पड़ता है। यह ऊपर वाला कौन है? जिस दिन ऊपर वाला पैसा लेना बंद कर देगा, उस दिन नीचे भ्रष्टाचार अपने आप बंद हो जाएगा। बहस के दौरान बीजेपी विधायक वासुदेव देवनानी ने सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की खेमेबंदी को लेकर सरकार पर निशाना साधा। देवनानी ने कहा कि मुख्यमंत्री और पूर्व डिप्टी सीएम की लड़ाई में जनता पिस रही है। अफसर मंत्रियों की नहीं मान रहे हैं, मंत्री, विधायकों की नहीं मान रहे। स्तरहीन बयानबाजी हो रही है। इससे राजस्थान की छवि बिगड़ रही है। मुख्यमंत्री खुद लाचारी का अनुभव कर रहे हैं।

जी क्लब पर फायरिंग करने वाले शूटरों की तलाश में पंजाब, दिल्ली और हरियाणा भेजी पुलिस टीमें

कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई को पुलिस जल्द ही प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर जयपुर लाएगी

जयपुर। राजधानी के जवाहर सर्किल इलाके में होटल पर अंधाधुंध फायरिंग करने के मामले में फिलहाल पुलिस को कोई सफलता हासिल नहीं हुई है। हालांकि आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें राजस्थान सहित पंजाब, दिल्ली और हरियाणा भेजी गई है। वहीं जयपुर में कुख्यात गैंगेस्टर लॉरेंस विश्नोई की बढ़ती अपराधिक गतिविधियों को लेकर पुलिस ने उस पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। अब पुलिस जल्द ही लॉरेंस को प्रोडेक्टशन वारंट पर जयपुर ला सकती है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जयपुर में फायरिंग करने से पहले बाहर से आए शूटरों ने गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के स्थानीय गुर्गों से मदद मांगी। यहां मदद नहीं मिलने पर शूटर शनिवार दोपहर को जयपुर पहुंचे और जी क्लब के आस-पास रहकर रैकी की। देर रात जी क्लब मालिक अक्षय गुरनानी के क्लब पहुंचने के कुछ देर बाद ही शूटरों ने फायरिंग की और जयपुर से बाहर भाग गए। शूटरों ने बाइक चोरी की या फिर किसकी है। इस संबंध में जांच की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त क्राइम अजयपाल लाम्बा ने बताया कि जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने करीब 200 संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर दोनों शूटर व उनके बाइक चालक साथी की पहचान की है। तीनों शूटर पश्चिमी राजस्थानी है और वारदात के बाद जयपुर से बाहर भाग गए। उनकी तलाश में पुलिस टीम श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, पंजाब, दिल्ली व हरियाणा में भेजी गई है। जयपुर कमिश्नरेट की साइबर सेल और टेक्निकल टीम की मदद से बदमाशों के जयपुर में रुकने के ठिकानों पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर जयपुर लाया जाएगा, ताकि जयपुर में अब तक दी गई धमकियों के संबंध में उससे पूछताछ की जा सके। पुलिस के अनुसार जयपुर में रंगदारी के लिए धमकी देने के मामले में तीन वांटेड बदमाश रोहित गोदारा, अनमोल विश्नोई और गोल्डी बराड़ विदेश में है। विदेश से गैंग चला रहे हैं। उनकी तलाश में सीबीआई से संपर्क किया जा रहा है।

- **पुलिस ने करीब 200 संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर दोनों शूटर्स व उनके बाइक चालक साथियों को चिन्हित किया**
- **आरोपी पश्चिमी राजस्थान के होने की संभावना पर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व बीकानेर में भी तलाश जारी**

शनिवार देर रात को इलाके में जी क्लब पर फायरिंग के पीछे का मकसद होटल कारोबारी को डराकर पांच करोड़ की रंगदारी वसूलने की बात सामने आ रही है। पुलिस के अनुसार इस संबंध में होटल कारोबारी फ्रंटियर कॉलोनी आदर्श नगर निवासी अक्षय गुरनानी (29) ने शनिवार शाम रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह दुर्गापुरा स्थित एयरपोर्ट प्लाजा में होटल डेयज और जी क्लब चलाता है। 28 जनवरी को रात करीब 11:50 पर होटल कारोबारी अक्षय गुरनानी पास स्थित रेडियन ब्लू होटल से निकल कर अपने होटल डेयज पहुंचा था। इसी दौरान बदमाशों ने होटल के गेट से फायरिंग की। वहां पर गार्ड, अन्य स्टाफ व होटल में रूके गेस्ट ने इधर-उधर भागकर और छिपकर अपनी जान बचाई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 8 जनवरी को उसे वॉट्सएप कॉल आया। कई बार कॉल आने पर एक बार उठाया। सामने वाले ने अपना नाम रोहित गोदारा बीकानेर बोलना बताया। इस दौरान धमकी दी कि 5 करोड़ रुपए दो नहीं तो जिदंगी से हाथ धो लोगे। उसने पीड़ित को एक वाइस मैसेज भी भेजा। जिसमें कहा कि फोन का जबाव नहीं दोंगे और फोन नहीं उठाओगे तो आपकी आवाज गायब हो जाएगी। पीड़ित ने बताया कि उसके कुछ देर बाद ही उसके पास एक इंटरनेट कॉल भी आया। कॉल करने वाले ने अपना नाम लॉरेंस बिश्नोई बताया। कहा कि तेरे को रोहित गोदारा का मैसेज मिल गया होगा। रोहित की बात पूरी कर देना नहीं तो जान से हाथ धो बैठोगे। मैं घबराहट के कारण कॉल सेव नहीं कर पाया। इन लोगों से मुझे और मेरे परिवार को जान का भी खतरा है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित होटल मालिक को 8 जनवरी से पहले भी धमकी दी गई थी, लेकिन दो बार धमकी दिए जाने के बाद भी उसने पुलिस से संपर्क नहीं किया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि फायरिंग कर चिट्ठी देने से माना जा रहा है कि बदमाशों की ओर से मैसेज भेजा गया। वह कारोबारी को मारना नहीं, डराना चाहते थे, इसी लिए होटल पर फायरिंग की गई।

'राजस्थान में विकसित होंगी 10 हजार मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं'

अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पॉवर पार्क्स की स्थापना के लिए सोमवार को एमओयू हुआ।

जयपुर। भारत सरकार की मिनी रत्न ए-श्रेणी की कम्पनी टी.एच.डी.सी. लिमिटेड तथा राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के मध्य आज जयपुर में ज्वांइट वेंचर कम शेयर होल्डिंग एग्रीमेन्ट पर हस्ताक्षर किए गए।

टी.एच.डी.सी. एवं आर.आर.ई.सी. ज्वाइंट वेंचर कंपनी में 74:26 प्रतिशत हिस्से क्रमशः की भागीदारी होगी। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष आशुतोष ए.टी. पेडणेकर तथा प्रबंध निदेशक अनिल ढाका की उपस्थिति में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के तकनीकी निदेशक डी.के.शर्मा तथा टी.एच. डी.सी. के चीफ जनरल मैनेजर (सोलर)एस.एस. पॅवार द्वारा उक्त समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष आशुतोष ए.टी. पेडणेकर द्वारा इस अवसर पर अवगत करवाया गया कि इस ज्वाइंट वेंचर कम्पनी द्वारा प्रदेश में 10,000 मेगावाट क्षमता की अक्षय ऊर्जा परियोजनायें प्रदेश के विभिन्न स्थानों में चरणबद्व रूप से विकसित की जावेंगी, जिससे सस्ती अक्षय ऊर्जा की प्राप्ति होगी। इस अवसर पर पेडणेकर द्वारा टी.एच..डी.सी. अधिकारियों के साथ मिलकर फ्लोटिंग सोलर और पम्प स्टोरेज हाईड्रो प्लांट को भी राजस्थान में विकसित कराये जाने के लक्ष्यों पर विचार-विमर्श किया।

पेडणेकर के अनुसार प्रदेश में स्थापित होने वाले इस अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पॉवर पार्क्स की स्थापना प्रदेश में केन्द्र सरकार के उपक्रम के साथ अक्षय ऊर्जा के विकास की इस तरह की एक अनूठी पहल साबित होगी। राज्य सरकार प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के विकास हेतु हर संभव सहायता एवं सहयोग प्रदान करने हेतु कटिबद्ध है।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के प्रबंध निदेशक अनिल ढाका द्वारा अवगत करवाया गया कि प्रदेश में 10 हजार मेगावाट क्षमता के अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पॉर्क्स की स्थापना से राज्य के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के कार्य-कलापों के दायरे का विकास होगा।